पर्यावरण सम्बन्धी राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख पुरस्कार
(National Level Awards)

(1) इन्दिरा गाँधी पर्यावरण पुरस्कार (IGPP)—इन्दिरा गाँधी ने पर्यावरण क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किये। यह (1987) से प्रारम्भ हुआ। इस पुरस्कार में एक चाँदी की ट्रॉफी, एक लाख रुपये नकद, एक स्क्रोल तथा एक प्रशस्ति पत्र।

(2) इन्दिरा प्रियदर्शनी वृक्षमित्र पुरस्कार (IPVM) **वनरोपण और परती भूमि विकास** (Waste Land and Forestry and Development)—यह महत्वपूर्ण योगदान देने वाले व्यक्तियों को दिया जाता है। सन् 1986 से प्रारम्भ किया।

(3) प्रदूषण निवारण एवं नियन्त्रण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार (National Awards for Prevention and Control of Pollution)—सन् 1991 में यह पुरस्कार प्रारम्भ किया गया। यह प्रतिवर्ष दिया जाता है। इसमें एक कप तथा शील्ड (Cup or Shield) तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

(4) पीताम्बर पन्त राष्ट्रीय पर्यावरण फैलोशिप पुरस्कार (Pitamber Pant National Environmental Fellowship Award)—पर्यावरण विज्ञान की किसी शाखा में उल्लेखनीय शोध को बढ़ावा देने के लिए प्रदान किया जाता है। सन् 1978 में यह अध्येतावृत्ति प्रदान की गई। शोध कार्य करने वाले व्यक्ति को दो वर्ष के लिए रू० 4000 प्रतिमाह मिलेगा। रु० 18,000 प्रति वर्ष स्टेशनरी तथा कन्टिनजैंसी हेतु मिलेंगे।

Scanned by TapScanner

(5) मरु पारिस्थितिकी अध्येतावृत्त (Desert Ecology Fellowship)—मरुस्थलीय क्षेत्र के संदर्भ में शोध एवं अध्ययन को प्रोत्साहित करने के लिए तथा प्रकृति संरक्षण के लिए जोधपुर विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाती है। इसमें रु० 3500 प्रतिमाह तथा रु० 12000 स्टेशनरी तथा कन्टेनजैंसी दी जाती है।

(6) मेदिनी पुरस्कार (Medini Puraskar)—यह पुरस्कार पर्यावरण से सम्बन्धित हिन्दी भाषा में उल्लेखनीय एवं मौलिक लेखन को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है। प्रतिवर्ष लगभग 5 पुरस्कार प्रथम (25000/-), द्वितीय (20,000/-), तृतीय (15000/-) एवं 2 सान्त्वना पुरस्कार (19000/-) दिया जाता है।

(7) महावृक्ष पुरस्कार (1993-94)—में यह पुरस्कार प्रारम्भ किया गया। राष्ट्रीय वनीकरण एवं पारिस्थितिकी विकास बोर्ड द्वारा प्रतिवर्ष दिया जाता है। जिस व्यक्ति के वृक्षों की मोटाई, ऊँचाई तथा स्वच्छता अच्छी होगी, उसे प्रदान किया जाता है। 25,000/-नगद, एक स्मृति चिह्न (Plaque) तथा प्रशस्ति-पत्र दिया जाता है।

(8) राजीव गाँधी राष्ट्रीय वन्य जीव पुरस्कार—यह प्रतिवर्ष वन्य क्षेत्र के व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है। इसमें प्रतिवर्ष दो पुरस्कार दिये जाते हैं। एक लाख रुपये नगद, एक

Scanned by TapScanner

प्रशस्तिपत्र दिया जाता है। बी०पी० पाल राष्ट्रीय जैव विविधता पर्यावरण फैलोशिप पुरस्कार (B.P. Pal National Environmental Fellowship) :

(9) जैविक विविधता के क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जाता है। सन् 1995 में यह राष्ट्रीय ध्येतावृत्ति प्रदान की गई। 4000/- प्रति माह दी जाती है।

(10) डॉ० सलीम अली, डॉ० कैलाश साखला छात्रवृत्ति वर्ष सन् 1999 में शुरु हुई। वन्य जीव क्षेत्र में अनुसंधान व संरक्षण कार्य के लिए दो फैलोशिप 2000/- प्रति माह दी जाती है।

(11) **अमृतादेवी वन्य जीव सुरक्षा पुरस्कार**—वन्य एवं पर्यावरण मंत्रालय ने वन्य जीव संरक्षण के लिए साहसिक तथा बहादुरी के कार्य करने के लिए प्रदान किया। इसमें एक लाख रुपये नगद प्रदान किये जाते हैं।

Scanned by TapScanner